☎ STD 05278 V.C. 246223, 246330 (O)
05278 V.C. 246224, 245209 (R)
Fax V.C. 246330(O), 245209(R)
Registrar- 245957(O), 246042(R)
F.O.- 246386(O)

डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या (उ0प्र0)

DR. RAMMANOHAR LOHIA AVADHUNIVERSITY, AYODHYA (U.P.)

दैनिक जागरण, अयोध्या

दिनांकः 09 मार्च, 2021 पृष्ठ संख्याः 04

जहां नारियों की पूजा होती है वहीं होता है देवताओं का निवास : प्रो. रविशंकर सिंह

जासं, अयोध्याः डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में वीमेन ग्रीवेंस एवं वेलफेयर सेल ने महिला सशक्तिकरण सुदृढ़ समाज की आवश्यकता विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह ने कहाकि जहां पर नारी की पूजा की जाती है, वहीं पर देवता गण निवास करते हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि प्राचीन काल से ही नारी शक्ति को सम्मान की दृष्टि से देखा गया है।

लखनऊ विश्वविद्यालय सांख्यिकी विभाग की प्रो. शीला मिश्रा ने कहाकि भारत ऐसा देश है, जहां महिलाएं परिवार के लिए पूरा जीवन समर्पित कर देती है, लेकिन अब महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे आना होगा। विशिष्ट अतिथि महापौर रिषिकेश उपाध्याय की पत्नी वंदना उपाध्याय ने कहा कि स्त्री दया, त्याग और प्रेम की प्रतिमूर्ति है। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक ने कहा कि स्त्री की भूमिका हर क्षेत्र में बढ़ रही है। मुख्य नियंता प्रो. अजय प्रताप सिंह ने कहाकि भारत में महिलाएं ग्राम प्रधान से लेकर देश की राष्ट्रपति तक रह चुकी हैं। यह महिलाओं के सशक्त होने का प्रतीक है। सेल की समन्वयक प्रो. तुहिना ने अतिथियों का स्वागत किया।

कार्यक्रम में नारी सशक्तीकरण पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निर्णायक मंडल में पल्लवी सोनी एवं रीमा सिंह रहीं। कार्यक्रम का संचालन मनीषा यादव ने किया। डॉ. सिंधु सिंह, प्रो. राजीव गौड़, प्रो. विनोद श्रीवास्तव, प्रो. आशुतोष सिन्हा, डॉ. विनय कुमार आदि मौजूद थे।

साकेत महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करतीं लखनऊ विश्वविद्यालय की प्रो. निशि पांडेय (दाएं) ● जागरण

आस्था बनीं एक दिन की प्रधानाचार्य

जासं,अयोध्या : रामनगरी के सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज की कक्षा 11 की छात्रा आस्था चौधरी ने एक दिन के लिए प्रधानाचार्या की कुर्सी संभाली। आस्था ने शुल्क के बकाएदार विद्यार्थियों को परीक्षा से वंचित करने के बजाए उन्हें चेतावनी देते हुए परीक्षा में शामिल कराया। आस्था ने शिक्षकों की उपस्थिति पंजिका जांची और दिन भर कुर्सी पर बैठकर विद्यालय का संचालन किया। शिक्षकों संग बैठक की। प्रधानाचार्य अवनि कुमार शुक्ल ने बताया कि आस्था के लिए गए निर्णय को लागू किया जाएगा।

शिक्षिका को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित करते आचार्य नरेंद्रदेव कृषि विवि के कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह (दाएं से तीसरे) ● जागरण

आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कुमारगंज परिसर के के प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम का कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया। उन्होंने कहाकि महिलाओं की सुरक्षा और सिर्फ उनका हक दिलाने के लिए महज कानून बनाने से काम नहीं चलेगा बल्कि, इसके लिए महिलाओं को जागरूक करने भी आवश्यकता है। मीडिया प्रभारी डॉ. अखिलेश कुमार सिंह ने बताया कि दो दिवसीय महिला सशक्तिकरण हस्तकला प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया था। इसमें प्रशिक्षित 35 महिलाओं को प्रमाण-पत्र भी दिया गया। कार्यक्रम में डॉ. शकीला खान, शिवांगी सिंह, अनीता द्विवेदी, उषा रावत, सुधा सिंह एवं माधुरी मौर्या को सम्मानित किया गया। डॉ. आभा सिंह ने अतिथियों का आभार जताया। इस मौके पर डॉ. नमिता जोशी, डॉ. सुमन मौर्या, डॉ. आरके जोशी, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. डी. नियोगी, पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. चंद्रशेखर, डॉ. जसवंत सिंह, डॉ. किरन सिंह, डॉ. प्रतिभा सिंह, डॉ रूमा, वंदना सिंह, डॉ. सरिता श्रीवास्तव आदि रहीं।

कृषि विज्ञान केंद्र मसौधा में आयोजित कार्यक्रम का भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष डॉ. शशिकांत यादव ने ऑनलाइन उद्घाटन किया। उन्होंने महिला अधिकारों के संरक्षण व संवर्धन का आह्वान किया। पशु रोग विज्ञान एसोसिएट प्रो. देश दीपक सिंह ने महिलाओं की बढ़ती भूमिका की चर्चा की। उद्यान वैज्ञानिक डॉ. पीके सिंह ने महिलाओं को सब्जी व फल उत्पादन की नवीन तकनीकी की जानकारी दी। शस्य वैज्ञानिक डॉ. पंकज कुमार सिंह ने संबोधित किया। साकेत महाविद्यालय में आयोजित संगोष्ठी में लखनऊ विवि की प्रो. निशि पांडेय ने महिलाओं से बढ़चढ़ कर जिम्मेदारियां लेने का आह्वान किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अभय कुमार सिंह ने कहाकि महिलाओं अब हर क्षेत्र में आगे आ रही हैं। उन्होंने बताया कि कॉलेज में 14 हजार विद्यार्थियों में 60 फीसद छात्राएं हैं और 112 प्राध्यापकों में 40 महिला हैं। गोष्ठी में डॉ. आशुतोष सिंह, डॉ. शुचिता पांडे, मिशन शक्ति संयोजक डॉ. प्रीति सिंह, डॉ. अर्पण मिश्रा, डॉ. उमा वर्मा, डॉ. सरोज, डॉ रीना पाठक, डॉ. पूनम जोशी, डॉ. नीलम आदि थे।

दैनिक जागरण, अयोध्या

दिनांकः 09 मार्च, 2021 पृष्ठ संख्याः 07

दीक्षांत समारोह के लिए डिग्री का वितरण कल से

संसू, अयोध्याः अवध विश्वविद्यालय में 12 मार्च को होने वाले दीक्षांत समारोह की तैयारियां चल रही हैं। कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह ने संत कबीर सभागार में बैठक कर तैयारी की समीक्षा की। साथ ही नैक मूल्यांकन में सहयोग के लिए सभी संकायाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों, अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों का आभार जताया। उन्होंने सभी से 10 मार्च तक तैयारी पूरी करने को कहा। बताया कि 10 व 11 मार्च को दीक्षांत समारोह का रिहर्सल होगा।

कोविड-19 के प्रोटोकाल का सख्ती से पालन करने का भी निर्देश दिया। बैठक में कुलपति ने बताया कि मंच की व्यवस्था देख रहे पदाधिकारियों का रैपिड एंटीजेन टेस्ट कराया जाएगा। कुलसचिव उमानाथ ने स्वर्ण पदक से संबंधित छात्र-छात्राओं की सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई

है। इस पर आने वाली आपत्ति का निस्तारण सक्षम समिति करेगी।

दीक्षांत समारोह के लिए उपाधि धारकों को डिग्री व परिधान का वितरण 10 व 11 मार्च को सुबह दस बजे से शाम चार बजे तक होगा। परिधान का वितरण केंद्रीय पुस्तकालय एवं स्नातक एवं स्नातकोत्तर उपाधियों का वितरण परीक्षा विभाग से होगा। शोध उपाधियों का वितरण शैक्षणिक अनुभाग से किया जाएगा। इसके लिए कर्मचारियों की तैनाती कर दी गई है।

हिन्दुस्तान समाचार, अयोध्या

दिनांक: 09 मार्च, 2021 | पृष्ठ संख्या: 04

जहां नारी की पूजा की जाती है वहां देवता करते हैं निवास: प्रो. सिंह

अयोध्या | प्रमुख संवाददाता

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में वीमेन ग्रीवेंस एवं वेलफेयर सेल की ओर से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला सशक्तिकरण सुदृढ़ समाज की आवश्यकता विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

व्याख्यान की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह ने कहा कि 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमंते तत्र देवता' जहां पर नारी की पूजा की जाती है वहीं पर देवता गण निवास करते है। इससे यह स्पष्ट होता है कि भारतीय जनसमाज में स्त्री सदैव पूज्यनीय रही है। प्राचीन काल से ही नारी शक्ति को सदैव सम्मान की दृष्टि से देखा गया है। कुलपति ने बताया कि नारी प्रकृति की प्रतिनिधि होती है। इसी में शक्ति समाहित है। भारतीय संस्कृति का आधार नारी है। मुख्य अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग की प्रो. शीला मिश्रा ने बताया कि महिला सशक्तीकरण एक विवेकपूर्ण प्रक्रिया है। हम सभी ने अति महात्वाकांक्षा में इसे सशक्तीकरण मान लिया है। महिला दिवस का औचित्य तब तक नहीं सिद्ध होगा जब तक कि सच्चे अर्थों में महिलाओं की स्थिति में सुधार नहीं हो सकता। स्त्री ने अपने परिवार और समाज को सदैव जोड़ने का कार्य किया है। भारत एक ऐसा देश है जहां महिलाएं परिवार के लिए पूरा जीवन समर्पित कर देती है। राष्ट्र का विकास तभी संभव है जब महिला शक्ति का उपयोग न केवल घरेलू कार्यों बल्कि देश के उत्थान में भी लिया जाये। महिला और पुरूष दोनों ईश्वर की विशिष्ट रचनाएं हैं। दोनों का अपना अस्तित्व है।

व्याख्यान

- महिला ईश्वर की विशिष्ट रचना: प्रो. शीला मिश्रा
- अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर अवध विवि में हुआ व्याख्यान

अवध विवि में महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं का सम्मान करते कुलपति

जहां स्त्रियों का सम्मान नहीं उस समाज का उत्थान नहीं हो पाता: वंदना

विशिष्ट अतिथि महावीर ऋषिकेश उपाध्याय की पत्नी वंदना उपाध्याय ने कहा कि जहां स्त्रियों का सम्मान नहीं होता उस समाज का उत्थान भी नहीं हो पाता। ईश्वर की सबसे सुन्दर कृतियों में नारी सर्वश्रेष्ठ कृति है जो दया, त्याग और प्रेम की प्रतिमूर्ति है। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक ने कहा कि स्त्री- पुरूष एक-दूसरे के पूरक है। शिक्षित और स्वयं में पूर्ण होना ही लक्ष्य होना चाहिए। मुख्य नियंता प्रो. अजय प्रताप सिंह ने कहा कि यह दिवस स्त्रियों की स्वतंत्रता व सशक्त होने का प्रतीक है। आजकल महिला ग्राम प्रधान से लेकर देश की राष्ट्रपति पद तक को गौरवान्वित कर रही है जो कि सशक्त होने का प्रतीक है। वर्तमान युग में सभी महिलाओं के लिए प्रगति के द्वार खुले हुए है। सेल की समन्वयक प्रो. तुहिना ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए अतिथियों का स्वागत किया एवं आत्मसुरक्षा की शपथ दिलाई।

नारी सशक्तीकरण पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया

कार्यक्रम में नारी सशक्तीकरण पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस आयोजन के निर्णायक मंडल में दामिनी मोदी एवं रीमा सिंह की भूमिका उल्लेखनीय रही। संचालन मनीषा यादव ने किया। अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सिंधु सिंह ने किया। इस अवसर पर प्रो. राजीव गौड़, प्रो. विनोद श्रीवास्तव, प्रो. आशुतोष सिन्हा, डॉ. विनय कुमार मिश्र, डॉ. मुकेश वर्मा, डॉ. प्रतिभा त्रिपाठी, डॉ. महिमा चौरसिया, डॉ. सरिता द्विवेदी, निधि अस्थाना, दामिनी तिवारी व सौम्या सिंह सहित बड़ी संख्या में छात्राएं शामिल रहीं।

हिन्दुस्तान समाचार, अयोध्या

दिनांकः 09 मार्च, 2021 पृष्ठ संख्याः 05

तीन गीगा बेस का होता है मनुष्य का जीनोम:प्रो. सिंह

सेमिनार को अवध विश्वविद्यालय में आयोजित व्याख्यान को संबोधित करते प्रो. योगेंद्र

अयोध्या | प्रमुख संवाददाता

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 25 वें दीक्षांत समारोह के उपलक्ष्य में दीक्षांत सप्ताह के तहत माइक्रो बायोलॉजी विभाग में 'इंपैक्ट ऑफ बैक्टीरियल जीन एंड जीनोमिक्स ऑन अवर लाइफ' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

व्याख्यान को संबोधित करते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. योगेंद्र सिंह ने बताया कि विभिन्न जीवों के जीन एवं उनके जीनोम का प्रभाव उनकी शारीरिक संरचना एवं क्रियाकलापों पर कैसे पड़ता है। उन्होंने बताया कि मनुष्य का जीनोम तीन गीगा बेस का होता है। वहीं चूहे का जीनोम मनुष्य के जीनोम से मात्र 0.2 गीगा बेस छोटा होता है। परंतु दोनों के आकार में कई हजार गुने का अंतर होता है। ऐसा उनमें पाए जाने वाले जीन के अवयवों के क्रम के कारण होता है। कार्यक्रम में माइक्रो बायोलॉजी विभागाध्यक्ष प्रो. शैलेंद्र कुमार ने अतिथि का स्वागत करते हुए कहा कि इस प्रकार का व्याख्यान छात्रों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा। माइक्रो बायोलाजी के क्षेत्र में हो रहे शोध कार्य से मानव जीवन को सहज एवं सुरक्षित बनाने में बड़ा परिवर्तन दिखाई पड़ रहा है।

कार्यक्रम के अंत में प्रो. राजीव गौड़ ने अतिथि प्रो. योगेंद्र सिंह को स्मृति चिन्ह एवं पुष्प गुच्छ भेंटकर स्वागत किया एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में प्रो. नीलम पाठक, डॉ. चंदन रंजन, डॉ. सोनी श्रीवास्तव, डॉ. रंजन सिंह, डॉ. मणिकांत त्रिपाठी, डॉ. प्रदीप सिंह, डॉ. पंकज सिंह, अनुराग सिंह एवं डॉ. आशुतोष त्रिपाठी मौजूद रहे।

अमर उजाला माईसिटी, अयोध्या

दिनांकः 09 मार्च, 2021 पृष्ठ संख्याः 03

खेल प्रदर्शन में संवेग की महत्वपूर्ण भूमिका : डॉ. यादव

संवाद न्यूज एजेंसी

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 25 वें दीक्षांत समारोह के उपलक्ष्य में दीक्षांत सप्ताह के तहत सोमवार को शारीरिक शिक्षा, खेल एवं योग विज्ञान संस्थान के शारीरिक शिक्षाविभाग में खेल प्रदर्शन में भावनाओं की प्रासंगिकता विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के शारीरिक शिक्षाविभाग के डॉ. केके यादव ने कहा कि खेल प्रदर्शन में संवेग की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। खेल प्रदर्शन करते समय खिलाड़ियों को अपने संवेगों पर नियंत्रण करना होगा। इसके विभिन्न परिस्थितियों में विभिन्न संवेग खेल को प्रभावित करते हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे शारीरिक शिक्षा, खेल एवं योग विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो.एसएस मिश्र ने श्रीमद्भगवत गीता का उद्धरण देते कहा कि संवेगों को नियंत्रण करके सफलता के उच्च आयाम स्थापित किए जा सकते है। खेल के क्षेत्र में संवेगात्मकता स्थिरता का विशेष महत्व है। क्योंकि खेल प्रदर्शन के दौरान स्थितियां एवं परिस्थितियां तेजी के साथ बदलती रहती हैं। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. त्रिलोकी यादव द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनुराग पांडेय ने किया। अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित डॉ. अनिल कुमार मिश्र द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. कपिल कुमार राना, डॉ. मुकेश कुमार वर्मा, डॉ. प्रतिभा त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

अवध विश्वविद्यालय में विशेष व्याख्यान का आयोजन

जीवों के जीन एवं उनके जीनोम का प्रभाव का अध्ययन महत्वपूर्ण

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 25 वें दीक्षांत समारोह के उपलक्ष्य मेंदीक्षांत सप्ताह के तहत सोमवार को माइक्रोबायोलॉजी विभाग में इंपैक्ट ऑफ बैक्टीरियल जीसएंड जीनोमस ऑन ऑवर लाइव विषय पर व्याख्यान का आयोजन हुआ। व्याख्यान को संबोधित करते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली के प्रो. योगेंद्र सिंह ने बताया कि विभिन्न जीवों के जीन एवं उनके जीनोम का प्रभाव उनकी शारीरिक संरचना एवं क्रियाकलापों पर कैसे पड़ता है। उन्होंने बताया कि मनुष्य का जीनोम तीन गीगा बेस का होता है। वहीं चूहे का जीनोम मनुष्य के जीनोम से मात्र 0.2 गीगाबेस छोटा होता है, परंतु दोनों के आकार में कई हजार गुने का अंतर होता है। ऐसा उसमें पाए जाने वाले जीन के अवयवों के क्रम के कारण होता है। कार्यक्रम में माइक्रोबायोलॉजी विभागाध्यक्ष प्रो. शैलेंद्र कुमार ने अतिथि का स्वागत करते हुए कहा कि इस प्रकार का व्याख्यान छात्रों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा। कार्यक्रम के अंत में प्रो. राजीव गौड़ ने अतिथि प्रो.योगेंद्र सिंह को स्मृति चिन्ह एवं पुष्प गुच्छ भेंटकर स्वागत किया एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में प्रो. नीलम पाठक, डॉ. वंदना रंजन, डॉ. सीपी श्रीवास्तव, डॉ. रंजन सिंह, डॉ. मणिकांत त्रिपाठी, डॉ.प्रदीप सिंह, डॉ. पंकज सिंह, अनुराग सिंह एवं डॉ. आशुतोष त्रिपाठी सहित अन्य मौजूद रहे। संवाद

राष्ट्रीय सहारा, लखनऊ

दिनांकः 09 मार्च, 2021 पृष्ठ संख्याः 02

खेल प्रदर्शन में संवेग की भूमिका अहम : डॉ. यादव

दीक्षांत सप्ताह के तहत खेल प्रदर्शन में भावनाओं की प्रासंगिकता विषय पर व्याख्यान

अयोध्या। डा. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 25 वें दीक्षांत समारोह के उपलक्ष्य में दीक्षांत सप्ताह के तहत आज शारीरिक शिक्षा, खेल एवं योग विज्ञान संस्थान के शारीरिक शिक्षा विभाग में खेल प्रदर्शन में भावनाओं की प्रासंगिकता विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के डा. केके यादव ने कहा कि खेल प्रदर्शन में संवेग की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। खेल प्रदर्शन करते समय खिलाड़ियों को अपने संवेगों पर नियंत्रण करना होगा। इसके विभिन्न परिस्थितियों में विभिन्न संवेग खेल को प्रभावित करते है। उन्होंने बताया कि एक खिलाड़ी मानसिक तौर पर अपने संवगों को नियंत्रित करके एक अच्छा खिलाड़ी बन सकता है। इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए सकारात्मक वचनबद्ध होना होगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे शारीरिक शिक्षा, खेल एवं योग विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. एसएस मिश्र ने श्रीमद्भगवत् गीता का उद्धरण देते कहा कि संवेगों को नियंत्रण करके सफलता के उच्च आयाम स्थापित किए जा सकते है। खेल के क्षेत्र में संवेगात्मकता स्थिरता का विशेष महत्व है। क्योंकि खेल प्रदर्शन के दौरान स्थितियां एवं पारिस्थितियां तेजी के साथ बदलती रहती है। इसलिए खिलाड़ियों को सदैव संवेगों पर नियंत्रण रखना चाहिए। इससे पहले कार्यक्रम का शुभारम्भ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया।

दीप प्रज्जवलन कर शुभारंभ करते अतिथि। फोटो : एसएनबी

> संवेगों को नियंत्रण कर सफलता के उच्च आयाम स्थापित किया जा सकता हैः प्रो. मिश्र

छात्राओं द्वारा विश्वविद्यालय की कुलगीत की प्रस्तुति की गई। कार्यक्रम में संस्थान के शिक्षक डा. अर्जुन सिंह ने व्याख्यान की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संयोजन डा. त्रिलोकी यादव द्वारा किया गया। संचालन डा. अनुराग पांडेय ने किया। अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित डा. अनिल कुमार मिश्र ने किया।

इस अवसर पर डा. कपिल कुमार राना, डा. मुकेश कुमार वर्मा, डा. प्रतिभा त्रिपाठी, मोहनी पांडेय, स्वाती उपाध्याय, सघर्ष कुमार सिंह, देवेंद्र कुमार वर्मा, आलोक तिवारी, अनुराग सोनी, गायत्री वर्मा सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

जनाभास, लखनऊ

दिनांकः 09 मार्च, 2021 पृष्ठ संख्याः 04

दीक्षांत सप्ताह के परिप्रेक्ष्य में गणित एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा विशेष व्याख्यान का आयोजन

अश्वनी पांडेय

जनाभास,अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 25वें दीक्षांत समारोह के परिप्रेक्ष्य में दीक्षांत सप्ताह के तहत आज 08 मार्च, 2021 को गणित एवं सांख्यिकी विभाग में मानव जीवन में सांख्यिकी का

उपयोग विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेंटर ऑफ सांख्यिकी, आई.एम.एस. बी. एच.यू. वाराणसी के प्रो0 टी0बी0 सिंह ने कहा कि मानव जीवन मे कुल 12 अवस्थाएं होती है इन अवस्थाओं के अध्ययन में सांख्यिकी का उपयोग किया जाता है। प्रो0 सिंह बताया कि मानव जीवन में खुशहाली का मापन करने के लिए कोई भी सॉफ्टवेयर उपलब्ध नहीं है। इसका मापन केवल सांख्यिकीय द्वारा ही किया जा सकता है। उन्होंने छात्रों को बताया कि सांख्यिकीय के विभिन्न उपयोगों एवं नियमों जैसे डेटा कलेक्शन, सर्वेक्षण, मापन एवं सम्भावना का उपयोग मानव जीवन में होता रहता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डीन साइंस एवं इजीनियरिंग के प्रो0 सी. के. मिश्र ने सांख्यिकीय के उपयोग के बारे में छात्रों को महत्वपूण जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि गणित के विद्यार्थियों के लिए सांख्यिकी की उपयोगिता बढ़ जाती है। इसके माध्यम से कठिन से कठिन प्रश्नों को आसानी के साथ हल किया जा सकता है। कार्यक्रम का शुभारम्भ मॉ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेटकर किया गया। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. एस. एस. मिश्र ने अथितियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 अभिषेक सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रो. एस. के. रायजादा, डॉ0 अनिल शर्मा, डॉ0 संजीव कुमार सिंह, डॉ संदीप रावत एवं सहित विभागीय छात्र–छात्राएं उपस्थित रही।

जनाभास, लखनऊ

दिनांकः 09 मार्च, 2021 पृष्ठ संख्याः 03

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर विश्वविद्यालय में आयोजित हुआ व्याख्यान

अश्वनी पांडेय

जनाभास,अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में वीमेन ग्रीवेंस एवं वेलफेयर सेल द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आज 08 मार्च, 2021 को महिला सशक्तिकरण सुदृढ़ समाज की आवश्यकता विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

व्याख्यान की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने "यत्र नार्यन्तु पूज्यंते रमंते तंत्र देवता" जहां पर नारी की पूजा की जाती है वही पर देवता गण निवास करते है। इससे यह स्पष्ट होता है कि भारतीय जनसमाज में स्त्री सदैव पूज्यनीय रही है। प्राचीन काल से ही नारी शक्ति को सदैव सम्मान की दृष्टि से देखा गया है। कुलपति ने बताया कि नारी प्रकृति की प्रतिनिधि होती है इसी में शक्ति समाहित है। भारतीय संस्कृति का आधार नारी है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय सांख्यिकी विभाग की प्रो0 शीला मिश्रा ने बताया कि महिला सशक्तीकरण एक विवेकपूर्ण प्रक्रिया हैं। हम सभी ने अतिमहात्वाकांक्षा में इसे सशक्तीकरण मान लिया है। महिला दिवस का औचित्य तबतक नही सिद्ध होगा जबतक की सच्चे अर्थों में महिलाओं की स्थिति में सुधार नही हो सकता। स्त्री अपने परिवार और समाज को सदैव जोड़ने का कार्य किया है। भारत एक ऐसा देश है जहां महिलाएं परिवार के लिए पूरा जीवन समर्पित कर देती है। राष्ट्र का विकास तभी संभव है जब महिला शक्ति का उपयोग न केवल घरेलू कार्यों बल्कि देश के उत्थान में भी लिया जाये। महिला और पुरूष दोनों ईश्वर की विशिष्ट रचनाएं है। दोनों का अपना अस्तित्व है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि महापौर अयोध्या की पत्नी श्रीती वंदना उपाध्याय ने कहा कि जहां स्त्रियों का सम्मान नही होता उस समाज में उत्थान भी नही हो पाता। ईश्वर की सबसे सुन्दर कृतियों में नारी सर्वश्रेष्ठ कृति है। जो दया, त्याग और प्रेम की प्रतिमूर्ति है। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो0 नीलम पाठक ने कहा कि स्त्री पुरूष एक दूसरे के पूरक है। शिक्षित और स्वयं में पूर्ण होना ही लक्ष्य होना चाहिए। मुख्य नियंता प्रो0 अजय प्रताप सिंह ने कहा कि यह दिवस स्त्रियों की स्वतंत्रता व सशक्त होने का प्रतीक है। आजकल महिला ग्राम प्रधान से लेकर देश की राष्ट्रपति पद तक को गौरवान्वित कर रही है जो कि सशक्त होने का प्रतीक है। वर्तमान युग में सभी महिलाओं के लिए प्रगति के द्वार खुले हुए हैं। स्वागत उदबोधन सेल की समन्वयक प्रो0 तुहिना ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए अतिथियों का स्वागत किया एवं आत्मसुरक्षा की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में नारी सशक्तीकरण पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस आयोजन के निर्णायक मंडल में पल्लवी सोनी एवं रीमा सिंह की भूमिका उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम का शुभारम्भ मॉ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। कुलगीत की प्रस्तुति की गई। कार्यक्रम में अतिथियों को स्मृति चिन्ह एवं पुष्पगुच्छ भेटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन मनीषा यादव ने किया। अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 सिंधू सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रो0 राजीव गौड़, प्रो0 विनोद श्रीवास्तव, प्रो0 आशुतोष सिन्हा, डॉ0 विनय कुमार मिश्र, डॉ0द्ध मुकेश वर्मा, डॉ0 प्रतिमा त्रिपाठी, डॉ0 महिमा चौरसिया, डॉ0 सरिता द्विवेदी, निधि अस्थाना, वल्सी तिवारी, सीमा सिंह सहित बड़ी संख्या में छात्राएं शामिल रही।

पंचायत चुनाव के विवाद में मारी गोली, एक घायल

शशांक सक्सेना

दीक्षांत सप्ताह के तहत खेल प्रदर्शन में भावनाओं की प्रासंगिकता विषय पर आयोजित हुआ व्याख्यान

अश्वनी पांडेय

जनाभास,अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 25 वें दीक्षांत समारोह के उपलक्ष्य में दीक्षांत सप्ताह के तहत आज 08 मार्च, 2021 को प्रातः 9 बजे शारीरिक शिक्षा, खेल एवं योग विज्ञान संस्थान के शारीरिक शिक्षा विभाग में खेल प्रदर्शन में भावनाओं की प्रासंगिकता विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के शारीरिक शिक्षा विभाग के डॉ0 के0के0 यादव ने कहा कि खेल प्रदर्शन में संवेग की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। खेल प्रदर्शन करते समय खिलाड़ियों को अपने संवेगों पर नियंत्रण करना होगा। इसके विभिन्न परिस्थितियों में विभिन्न संवेग खेल को प्रभावित करते है। उन्होंने बताया कि एक खिलाड़ी मानसिक तौर पर अपने संवगों को नियंत्रित करके एक अच्छा खिलाड़ी बन सकता है। इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए सकारात्मक वचनबद्ध होना होगा। संवेगात्मक भावनाओं की तीव्रता कई परिस्थितियों पर निर्भर करती है। इसके लिए खिलाड़ी को स्वयं को तैयार करना होगा। उन्होंने बताया कि शारीरिक शिक्षा एवं खेल के क्षेत्र में युवाओं के लिए असीम अवसर है। खिलाड़ी अपने को मानसिक तौर पर तैयार करके राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर के खेलों में सफलता अर्जित कर सकते है। व्याख्यान के अंत में मुख्य वक्ता डॉ0 यादव ने छात्र–छात्राओं के प्रश्नों के उत्तर देकर शंका का समाधान भी किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे शारीरिक शिक्षा, खेल एवं योग विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो0 एसएस मिश्र ने श्रीमद्भगवत् गीता का उद्धरण देते कहा कि संवेगों को नियंत्रण करके सफलता के उच्च आयाम स्थापित किए जा सकते है। खेल के क्षेत्र में संवेगात्मकता स्थिरता का विशेष महत्व है। क्योंकि खेल प्रदर्शन के दौरान स्थितियां एवं पारिस्थितियां तेजी के साथ बदलती रहती है। इसलिए खिलाड़ियों को सदैव संवेगों पर नियंत्रण रखना चाहिए। संवगों पर नियंत्रण से मानसिक तत्परता बढ़ती है जिन पर शारीरिक क्रियाएं आधारित होती है। कार्यक्रम का शुभारम्भ मॉ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। छात्राओं द्वारा विश्वविद्यालय की कुलगीत की प्रस्तुति की गई। कार्यक्रम में संस्थान के शिक्षक डॉ0 अर्जुन सिंह ने व्याख्यान की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संयोजन डॉ0 त्रिलोकी यादव द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 अनुराग पाण्डेय ने किया। अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित डॉ0 अनिल कुमार मिश्र द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ0 कपिल कुमार राना, डॉ0 मुकेश कुमार वर्मा, डॉ0 प्रतिभा त्रिपाठी, मोहनी पाण्डेय, स्वाती उपाध्याय, सघर्ष कुमार सिंह, देवेन्द्र कुमार वर्मा, आलोक तिवारी, अनुराग सोनी, गायत्री वर्मा सहित बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

स्वतंत्र चेतना, अयोध्या

दिनांकः 09 मार्च, 2021 पृष्ठ संख्याः 03

भारतीय संस्कृति का आधार नारी : कुलपति

चेतना समाचार सेवा

अयोध्या। अवध विश्वविद्यालय में वीमेन ग्रीवेंस एवं वेलफेयर सेल द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आज 08 मार्च, 2021 को महिला सशक्तिकरण सुदृढ़ समाज की आवश्यकता विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

व्याख्यान की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने ''यत्र नार्यन्तु पूज्यंते रमंते तंत्र देवता'' जहां पर नारी की पूजा की जाती है वहीं पर देवता गण निवास करते है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय सांख्यिकी विभाग की प्रो0 शीला मिश्रा ने बताया कि महिला सशक्तीकरण एक विवेकपूर्ण प्रक्रिया है। हम सभी ने अतिमहात्वाकांक्षा में इसे सशक्तीकरण मान लिया है। महिला दिवस का औचित्य तबतक नही सिद्व होगा जबतक सच्चे अर्थों में महिलाओं की स्थिति में सुधार न हो। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि महापौर की पत्नी वंदना उपाध्याय ने कहा कि जहां स्त्रियों का सम्मान नहीं होता है उस समाज में उत्थान भी नहीं हो पाता। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो0 नीलम पाठक ने कहा कि स्त्री पुरूष एक दूसरे के पूरक है। शिक्षित और स्वयं में पूर्ण होंना ही लक्ष्य होना चाहिए। मुख्य नियंता प्रो0 अजय प्रताप सिंह ने कहा कि यह दिवस स्त्रियों की स्वतंत्रता व सशक्त होने का प्रतीक है। कार्यक्रम में नारी सशक्तीकरण पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस आयोजन के निर्णायक मंडल में पल्लवी सोनी एवं रीमा सिंह की भूमिका उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम का संचालन मनीषा यादव ने किया। अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 सिंधू सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रो0 राजीव गौड़, प्रो0 विनोद श्रीवास्तव, प्रो0 आशुतोष सिन्हा, डॉ0 विनय कुमार मिश्र, डॉ0 मुकेश वर्मा, डॉ0 प्रतिभा त्रिपाठी, डॉ0 महिमा चौरसिया, डॉ0 सरिता द्विवेदी, निधि अस्थाना, वल्लभी तिवारी, सीमा सिंह सहित बड़ी संख्या में छात्राएं शामिल रहीं।

स्वतंत्र चेतना, अयोध्या

दिनांकः 09 मार्च, 2021 पृष्ठ संख्याः 04

खेल प्रदर्शन में संवेग की महत्वपूर्ण भूमिका : डॉ0 केके यादव

दीक्षांत सप्ताह के तहत खेल प्रदर्शन में भावनाओं की प्रासंगिकता विषय पर व्याख्यान

चेतना समाचार सेवा

अयोध्या। अवध विश्वविद्यालय के 25 वें दीक्षांत समारोह के उपलक्ष्य में दीक्षांत सप्ताह के तहत आज 08 मार्च, 2021 को प्रातः 9 बजे शारीरिक शिक्षा, खेल एवं योग विज्ञान संस्थान के शारीरिक शिक्षा विभाग में खेल प्रदर्शन में भावनाओं की प्रासंगिकता विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के शारीरिक शिक्षा विभाग के डॉ0 के-के यादव ने कहा कि खेल प्रदर्शन में संवेग की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। खेल प्रदर्शन करते समय खिलाड़ियों को अपने संवेगों पर नियंत्रण करना होगा। संवेगात्मक भावनाओं की तीव्रता कई परिस्थितियों पर निर्भर करती है। व्याख्यान के अंत में मुख्य वक्ता डॉ0 यादव ने छात्र-छात्राओं के प्रश्नों के उत्तर देकर शंका का समाधान भी किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे शारीरिक शिक्षा, खेल एवं योग विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो0 एसएस मिश्र ने श्रीमद्भगवत् गीता का उद्धरण देते कहा कि संवेगों को नियंत्रण करके सफलता के उच्च आयाम स्थापित किए जा सकते हैं। खेल के क्षेत्र में संवेगात्मकता स्थिरता का विशेष महत्व है। संस्थान के शिक्षक डॉ0 अर्जुन सिंह ने व्याख्यान की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संयोजन डॉ0 त्रिलोकी यादव व संचालन डॉ0 अनुराग पाण्डेय ने किया। अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित डॉ0 अनिल कुमार मिश्र द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ0 कपिल कुमार राना, डॉ0 मुकेश कुमार वर्मा, डॉ0 प्रतिभा त्रिपाठी, मोहनी पाण्डेय, स्वाती उपाध्याय, सघर्ष कुमार सिंह, देवेन्द्र कुमार वर्मा, आलोक तिवारी, अनुराग सोनी, गायत्री वर्मा सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

तरूण प्रवाह, लखनऊ

दिनांकः 09 मार्च, 2021 पृष्ठ संख्याः 02

दीक्षांत सप्ताह के तहत खेल प्रदर्शन में भावनाओं की प्रासंगिकता विषय पर आयोजित हुआ व्याख्यान

खेल प्रदर्शन में संवेग की महत्वपूर्ण भूमिकाः डॉ0 के0के0 यादव

संवेगों को नियंत्रण कर सफलता के उच्च आयाम स्थापित किया जा सकता हैः प्रो0 एसएस मिश्र

रिपोर्ट सर्वेश श्रीवास्तव

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 25 वें दीक्षांत समारोह के उपलक्ष्य में दीक्षांत सप्ताह के तहत शारीरिक शिक्षा, खेल एवं योग विज्ञान संस्थान के शारीरिक शिक्षा विभाग में खेल प्रदर्शन में भावनाओं की प्रासंगिकता विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के शारीरिक शिक्षा विभाग के डॉ0 के0के0 यादव ने कहा कि खेल प्रदर्शन में संवेग की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। खेल प्रदर्शन करते समय खिलाड़ियों को अपने संवेगों पर नियंत्रण करना होगा। इसके विभिन्न परिस्थितियों में विभिन्न संवेग खेल को प्रभावित करते है। उन्होंने बताया कि एक खिलाड़ी मानसिक तौर पर अपने संवगों को नियंत्रित करके एक अच्छा खिलाड़ी बन सकता है। इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए सकारात्मक वचनबद्ध होना होगा। संवेगात्मक भावनाओं की तीव्रता कई परिस्थितियों पर निर्भर करती है। इसके लिए खिलाड़ी को स्वयं को तैयार करना होगा। उन्होंने बताया कि शारीरिक शिक्षा एवं खेल के क्षेत्र में युवाओं के लिए असीम अवसर है। खिलाड़ी अपने को मानसिक तौर पर तैयार करके राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर के खेलों में सफलता अर्जित कर सकते है। व्याख्यान के अंत में मुख्य वक्ता डॉ0 यादव ने छात्र–छात्राओं के प्रश्नों के उत्तर देकर शंका का समाधान भी किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे शारीरिक शिक्षा, खेल एवं योग विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो0 एसएस मिश्र ने श्रीमद्भगवत् गीता का उद्धरण देते कहा कि संवेगों को नियंत्रण करके सफलता के उच्च आयाम स्थापित किए जा सकते है। खेल के क्षेत्र में संवेगात्मकता स्थिरता का विशेष महत्व है। क्योंकि खेल प्रदर्शन के दौरान स्थितियां एवं पारिस्थितियां तेजी के साथ बदलती रहती है। इसलिए खिलाड़ियों को सदैव संवेगों पर नियंत्रण रखना चाहिए। संवगों पर नियंत्रण से मानसिक तत्परता बढ़ती है जिन पर शारीरिक क्रियाएं आधारित होती है। कार्यक्रम का शुभारम्भ मॉ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। छात्राओं द्वारा विश्वविद्यालय की कुलगीत की प्रस्तुति की गई। कार्यक्रम में संस्थान के शिक्षक डॉ0 अर्जुन सिंह ने व्याख्यान की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संयोजन डॉ0 त्रिलोकी यादव द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 अनुराग पाण्डेय ने किया। अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित डॉ0 अनिल कुमार मिश्र द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ0 कपिल कुमार राना, डॉ0 मुकेश कुमार वर्मा, डॉ0 प्रतिभा त्रिपाठी, मोहनी पाण्डेय, स्वाती उपाध्याय, सघर्ष कुमार सिंह, देवेन्द्र कुमार वर्मा, आलोक तिवारी, अनुराग सोनी, गायत्री वर्मा सहित बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

तरूण प्रवाह, लखनऊ

दिनांकः 09 मार्च, 2021 पृष्ठ संख्याः 03

गया।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर विश्वविद्यालय में आयोजित हुआ व्याख्यान

भारतीय संस्कृति का आधार नारीः कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह

महिला ईश्वर की विशिष्ट रचनाः प्रो0 शीला मिश्रा

रिपोर्ट सर्वेश श्रीवास्तव

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में वीमेन ग्रीवेंस एवं वेलफेयर सेल द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला सशक्तिकरण सुदृढ़ समाज की आवश्यकता विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने "यत्र नार्यन्तु पूज्यंते रमंते तंत्र देवता" जहां पर नारी की पूजा की जाती है वही पर देवता गण निवास करते है। इससे यह स्पष्ट होता है कि भारतीय जनसमाज में स्त्री सदैव पूज्यनीय रही है। प्राचीन काल से ही नारी शक्ति को सदैव सम्मान की दृष्टि से देखा गया है। कुलपति ने बताया कि नारी प्रकृति की प्रतिनिधि होती है इसी में शक्ति समाहित है। भारतीय संस्कृति का आधार नारी है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय सांख्यिकी विभाग की प्रो0 शीला मिश्रा ने बताया कि महिला सशक्तीकरण एक विवेकपूर्ण प्रक्रिया है। हम सभी ने अतिमहात्वाकांक्षा में इसे सशक्तीकरण मान लिया है।महिला दिवस का औचित्य तबतक नही सिद्ध होगा जबतक की सच्चे अर्थों में महिलाओं की स्थिति में सुधार नही हो सकता। स्त्री अपने परिवार और समाज को सदैव जोड़ने का कार्य किया है। भारत एक ऐसा देश है जहां महिलाएं परिवार के लिए पूरा जीवन समर्पित कर देती है। राष्ट्र का विकास तभी संभव है जब महिला शक्ति का उपयोग न केवल घरेलू कार्यों बल्कि देश के उत्थान में भी लिया जाये। महिला और पुरूष दोनों ईश्वर की विशिष्ट रचनाएं है। दोनों का अपना अस्तित्व है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि महापौर अयोध्या की पत्नी श्रीती

वंदना उपाध्याय ने कहा कि जहां स्त्रियों का सम्मान नही होता उस समाज में उत्थान भी नही हो पाता। ईश्वर की सबसे सुन्दर कृतियों में नारी सर्वश्रेष्ठ कृति है। जो दया, त्याग और प्रेम की प्रतिमूर्ति है। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो0 नीलम पाठक ने कहा कि स्त्री पुरूष एक दूसरे के पूरक है। शिक्षित और स्वयं में पूर्ण होंना ही लक्ष्य होना चाहिए। मुख्य नियंता प्रो0 अजय प्रताप सिंह ने कहा कि यह दिवस स्त्रियों की स्वतंत्रता व सशक्त होने का प्रतीक है। आजकल महिला ग्राम प्रधान से लेकर देश की राष्ट्रपति पद तक को गौरवान्वित कर रही है जो कि सशक्त होने का प्रतीक है। वर्तमान युग में सभी महिलाओं के लिए प्रगति के द्वार खुले हुए है। स्वागत उदबोधन सेल की समन्वयक प्रो0 तुहिना ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए अतिथियों का स्वागत किया एवं आत्मसुरक्षा की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में नारी सशक्तीकरण पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस आयोजन के निर्णायक मंडल में पल्लवी सोनी एवं रीमा सिंह की भूमिका उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। कुलगीत की प्रस्तुति की गई। कार्यक्रम में अतिथियों को स्मृति चिन्ह एवं पुष्पगुच्छ भेटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन मनीषा यादव ने किया। अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 सिंधू सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रो0 राजीव गौड़, प्रो0 विनोद श्रीवास्तव, प्रो0 आशुतोष सिन्हा, डॉ0 विनय कुमार मिश्र, डॉ0द्ध मुकेश वर्मा, डॉ0 प्रतिभा त्रिपाठी, डॉ0 महिमा चौरसिया, डॉ0 सरिता द्विवेदी, निधि अस्थाना, वल्लभी तिवारी, सीमा सिंह सहित बड़ी संख्या में छात्राएं शामिल रही।

तरूण प्रवाह, लखनऊ

दिनांकः 09 मार्च, 2021 पृष्ठ संख्याः 03

जीवो के जीन एवं उनके जीनोम का प्रभाव का अध्ययन महत्वपूर्णः प्रो. योगेंद्र सिंह

रिपोर्ट अखंड प्रताप सिंह

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 25 वें दीक्षांत समारोह के उपलक्ष्य में दीक्षांत सप्ताह के तहत माइक्रोबायोलॉजी विभाग में "इंपैक्ट ऑफ बैक्टीरियल जींस एंड जीनोमस आन आवर लाइव" विषय पर व्याख्यान का आयोजन हुआ। व्याख्यान को संबोधित करते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली के प्रो0 योगेंद्र सिंह ने बताया कि विभिन्न जीवो के जीन एवं उनके जीनोम का प्रभाव उनकी शारीरिक संरचना एवं क्रियाकलापों पर कैसे पड़ता है। उन्होंने बताया कि मनुष्य का जीनोम 3 गीगा बेस का होता है वहीं चूहे का जीनोम मनुष्य के जीनोम से मात्र 0.2 गीगा बेस

छोटा होता है, परंतु दोनों के आकार में कई हजार गुने का अंतर होता है। ऐसा उसमें पाए जाने वाले जीन के अवयवों के क्रम के कारण होता है।कार्यक्रम में माइक्रोबायोलॉजी विभागाध्यक्ष प्रो0 शैलेंद्र कुमार ने अतिथि का स्वागत करते हुए कहा कि इस प्रकार का व्याख्यान छात्रों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा। माइक्रोबायोलाजी के क्षेत्र में हो रहे शोध कार्य से मानव जीवन को सहज एवं सुरक्षित बनाने में बड़ा परिवर्तन दिखाई पड़ रहा है। कार्यक्रम के अंत में प्रो0 राजीव गौड़ ने अतिथि प्रो0 योगेंद्र सिंह को स्मृति चिन्ह एवं पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में प्रो0 नीलम पाठक, डॉ0 वंदना रंजन, डॉ0 सीपी श्रीवास्तव, डॉ0 रंजन सिंह, डॉ0 मणिकांत त्रिपाठी, डॉ0 प्रदीप सिंह, डॉ0 पंकज सिंह, अनुराग सिंह एवं डॉ0 आशुतोष त्रिपाठी सहित विभाग, जैव रसायन एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग के छात्र छात्राओं ने हिस्सा लिया।

समाजसेवी ने राज्यपाल से जनपद की समस्याओं को दूर करवाने का किया अनुरोध

तरुण प्रवाह सचिन श्रीवास्तव

बहराइच।तीन दिवसीय बहराइच प्रवास पर आये केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से समाजसेवी अरुण कुमार मिश्र ने मुलाकात कर जनपद के तीन प्रमुख मांगों को लेकर केंद्रीय मंत्रियों को पत्र लिखकर उनके संज्ञान में लाने व बल प्रदान करने का अनुरोध किया है।समाजसेवी ने राज्यपाल से तीन मांगे पूरी करवाने का अनुरोध किया है जिनमे बहराइच शहर के आस पास केंद्रीय विद्यालय की स्थापना के लिए मानव संसाधन मंत्री को पत्र लिखने का अनुरोध,बहराइच को लखनऊ से सुगम यातायात देने के लिए सड़क परिवहन मंत्री को धन्यवाद समेत संजय सेतु को डबल लेन करने व जरवल रोड स्थित फ्लाईओवर की कमियों को दूर करने के लिए पत्र का अनुरोध,बहराइच में कार्डियक सेंटर की स्थापना हेतु केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री को पत्र लिखने का अनुरोध किया है।राज्यपाल ने समाजसेवी को आश्वस्त करते हुए निराकरण करवाने का आश्वासन दिया।

तरूण प्रवाह, लखनऊ

दिनांकः 09 मार्च, 2021 पृष्ठ संख्याः 05

दीक्षांत सप्ताह के परिप्रेक्ष्य में गणित एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा विशेष व्याख्यान का आयोजन

रिपोर्ट अखंड प्रताप सिंह

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 25वें दीक्षांत समारोह के परिप्रेक्ष्य में दीक्षांत सप्ताह के तहत गणित एवं सांख्यिकी विभाग में मानव जीवन में सांख्यिकी का उपयोग विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेंटर ऑफ सांख्यिकी, आई.एम. एस. बी.एच.यू. वाराणसी के प्रो0 टी0बी0 सिंह ने कहा कि मानव जीवन मे कुल 12 अवस्थाएं होती है इन अवस्थाओं के अध्ययन में सांख्यिकी का उपयोग किया जाता है। प्रो0 सिंह बताया कि मानव जीवन में खुशहाली का मापन करने के लिए कोई भी सॉफ्टवेयर उपलब्ध नहीं है। इसका मापन केवल सांख्यिकीय द्वारा ही किया जा सकता है। उन्होंने छात्रों को बताया कि सांख्यिकीय के विभिन्न उपयोगों एवं नियमों जैसे डेटा कलेक्शन, सर्वेक्षण, मापन एवं सम्भावना का उपयोग मानव जीवन में होता रहता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डीन साइंस एवं इजीनियरिंग के प्रो0 सी. के. मिश्र ने सांख्यिकीय के उपयोग के बारे में छात्रों को महत्वपूण जानकारी प्रदान की।